**INDIAN SCHOOL l NIZWA**

**HINDI , WORKSHEET 4**

**अपठित काव्यांश**

**Date - _____ Name -_____ Class –VIII -**

## निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

ख्वाहिश नहीं मुझे, मशहूर होने की
आप मुझे पहचानते हो बस इतना ही काफी है।
अच्छे ने अच्छा और बुरे ने बुरा जाना मुझे,
जिसकी जितनी जरूरत थी, उसने उतना ही पहचाना मुझे।
बैठ जाता हूँ मिट्टी पे अक्सर...
क्योंकि मुझे अपनी औकात अच्छी लगती है..
मैंने समंदर से सीखा है जीने का सलीक़ा,
चुपचाप से बहना और अपनी मौज में रहना ।
ऐसा नहीं है कि मुझमें कोई ऐब नहीं है
पर सच कहता हूँ मुझमें कोई फरेब नहीं है।
सुकून की बात मत कर ऐ ग़ालिब....
बचपन वाला 'इतवार' अब नहीं आता |
लोग कहते हैं हम मुस्कुराते बहुत हैं,
और हम थक गए दर्द छुपाते छुपाते..
मालूम है कोई मोल नहीं मेरा,
फिर भी, कुछ अनमोल लोगों से
रिश्ता रखता हूँ...!

**प्रश्न क) – कवि को ख्वाहिश नहीं है ?**

1) किसान बनने की 2) मशहूर होने की 3) धनवान की 4) बुद्धिमान की ।

**प्रश्न ख) – कवि को अपनी औकात अच्छी लगती है इसलिए :----**

1) मिट्टी पे अक्सर बैठ जाते हैं 2) सोफा पे अक्सर बैठ जाते हैं
3) खेतों में बैठ जाते हैं 4) खलिहानों में बैठ जाते हैं ।

**प्रश्न ग - जीने का सलीक़ा कवि ने किससे सीखा है ?**

1) समन्दर से 2) खेतों से 3) दलदली जगहों से 4) दुर्गम वनों एवं पर्वतों से ।

**प्रश्न घ) - कवि के बचपन का क्या नहीं आता है ?**

1) मशीनें 2) रेल 3) कंप्यूटर 4) इतवार ।

**प्रश्न ङ) कवि कैसे लोगों से रिश्ता रखते हैं ?**

1) राजनीतिज्ञों से 2) धनियों से 3) अनमोल लोगों से 4) अनजान लोगों से ।